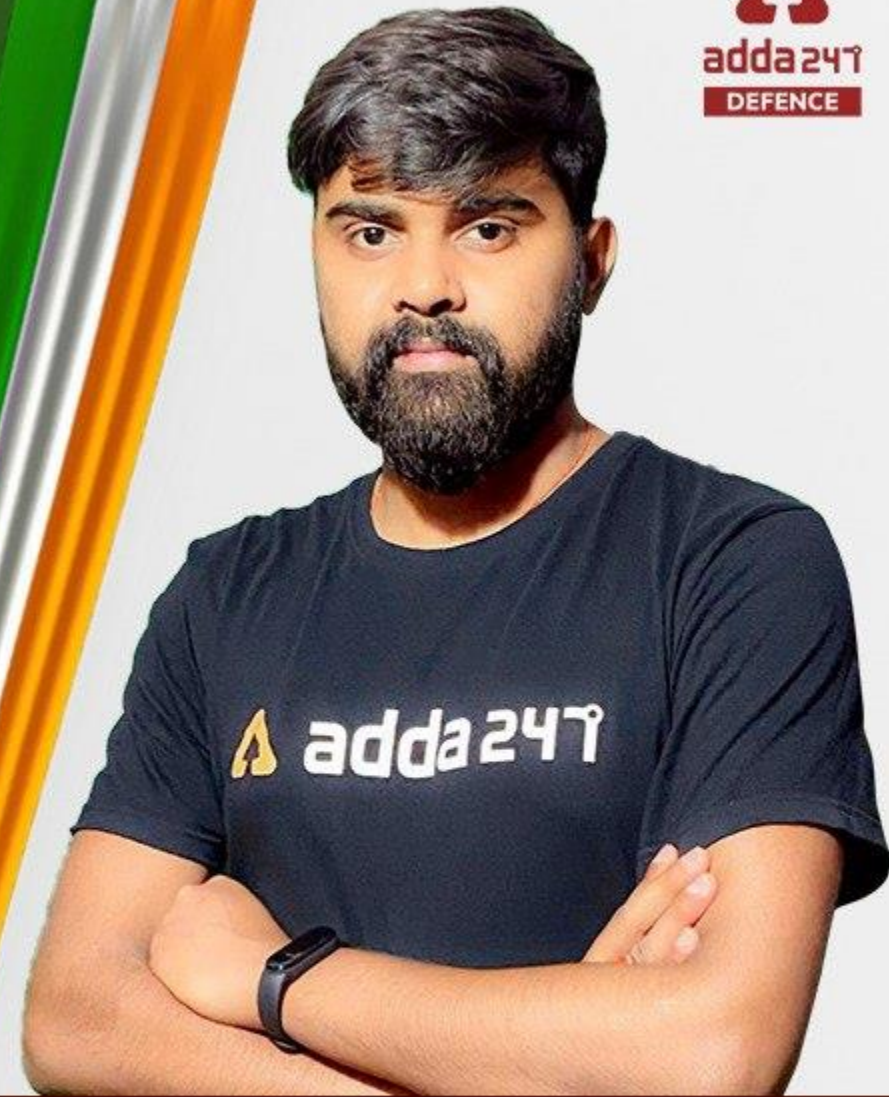


# REPUBLIC DAY SPECIAL



**MD. SAADULAH**

**DRAFTING COMMITTEE  
THE UNTOLD STORY**



**BY -  
SAHIL TIWARI**



26 January

India

Republic Day

# Happy Republic Day

कुछ भूलें नहीं है हम हर इक याद ज़िंदा है,  
इस देश की मिट्टी में अभी इंक्रलाब ज़िंदा है।  
और जिस भारत की आश में कई हो गए शहीद  
हर दिल में अभी उस भारत का ख्वाब ज़िंदा है।

**Sahil Tiwari**  
**Reasoning Mentor at Adda247**



## Syed Muhammed Saadulah



**Syed Muhammad Saadulla was born on 21 May 1885 in Guwahati, to an orthodox Assamese Muslim family. सैयद मुहम्मद सादुल्ला का जन्म 21 मई 1885 को गुवाहाटी में एक रूढ़िवादी असमी मुस्लिम परिवार में हुआ था।**

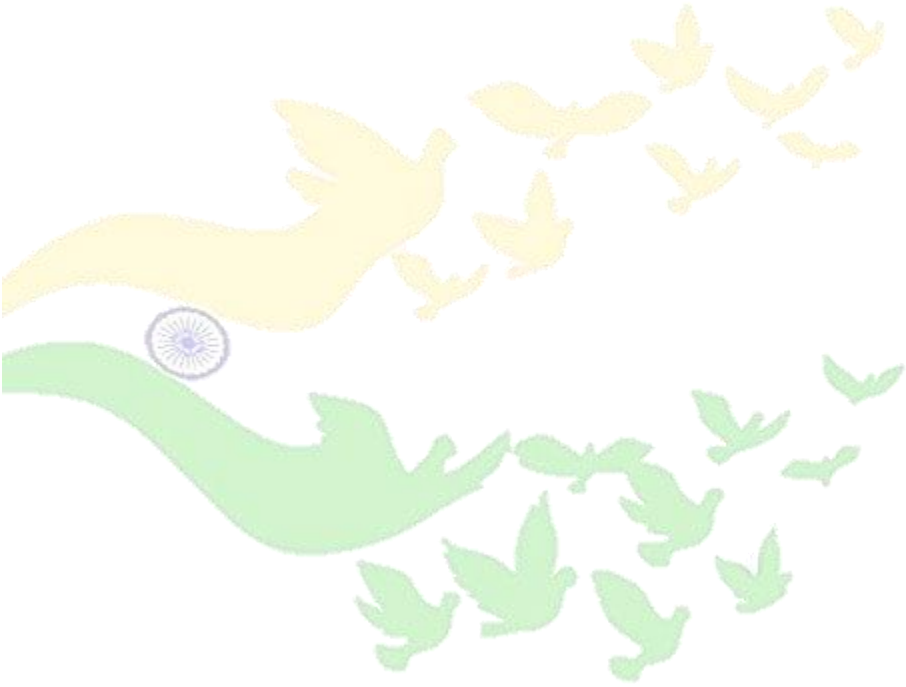




26 January

India

Republic Day



**Syed Muhammad Saadulla, M.A., B.L., a youthful 24-year-old, became a Pleader in Guwahati and set up practice at Lakhtakia in 1910. In the same year, he married the eldest daughter of Syed Muhammad Saleh of Kacharihat. सैयद मुहम्मद सादुल्ला, एम.ए., बी.एल., एक युवा 24 वर्षीय, गुवाहाटी में एक वकील बन गया और 1910 में लखटकिया में अभ्यास स्थापित किया। उसी वर्ष, उन्होंने कचारीहाट के सैयद मुहम्मद सालेह की सबसे बड़ी बेटी से शादी की।**

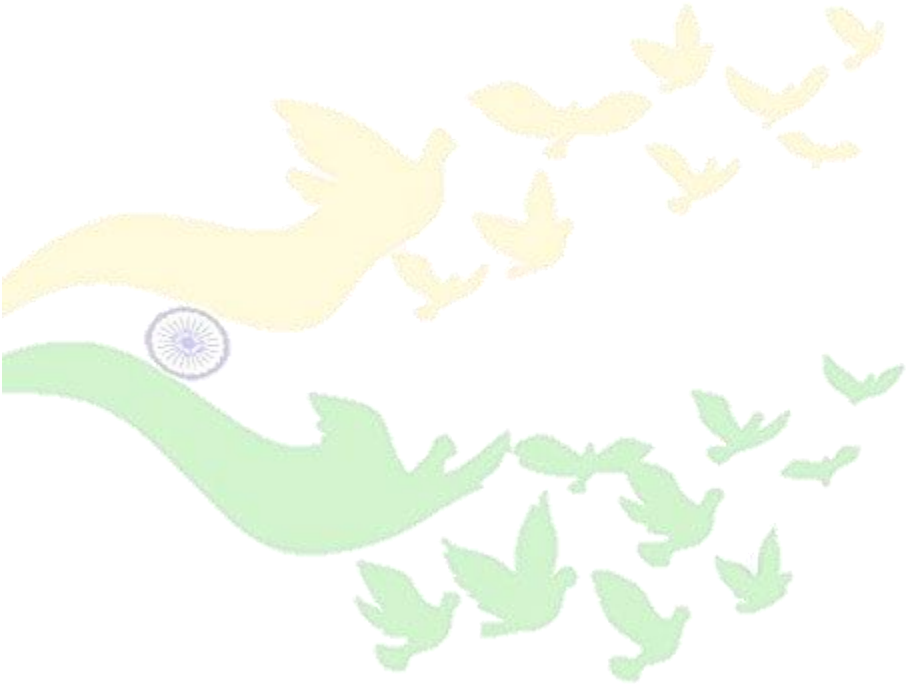




26 January

India

Republic Day



Assam became a Governor's province, under the Government of India Act 1919, with an enlarged Legislative Council; and accordingly Elections were held in November 1920. Saadulla decided to concentrate on practice at the Calcutta High Court, and therefore did not enter Assam politics. भारत सरकार अधिनियम 1919 के तहत, एक विस्तृत विधान परिषद के साथ, असम एक राज्यपाल का प्रांत बन गया; और तदनुसार नवंबर 1920 में चुनाव हुए। सादुल्ला ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया, और इसलिए असम की राजनीति में प्रवेश नहीं किया।

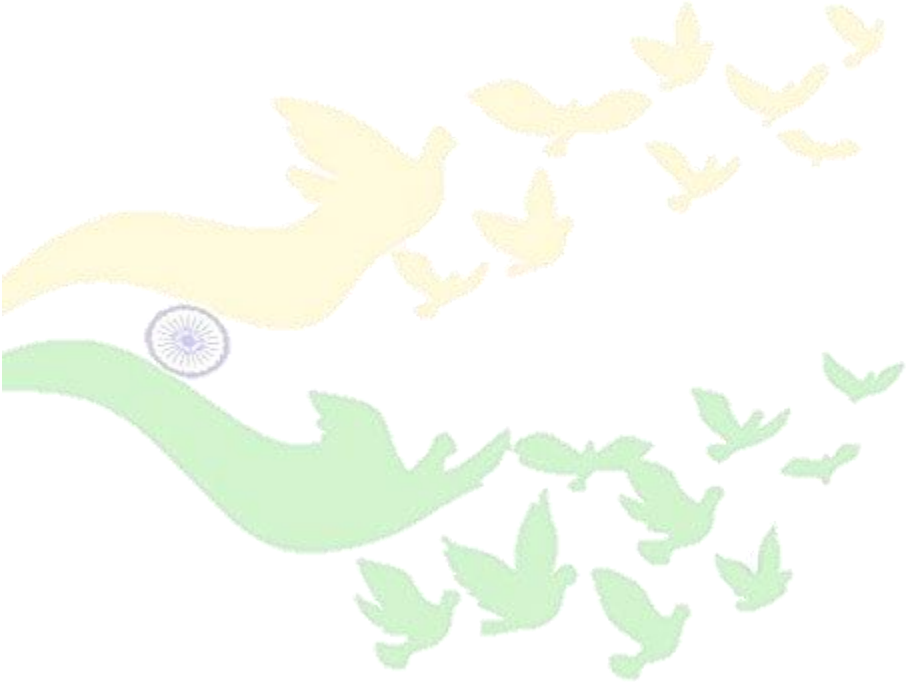




26 January

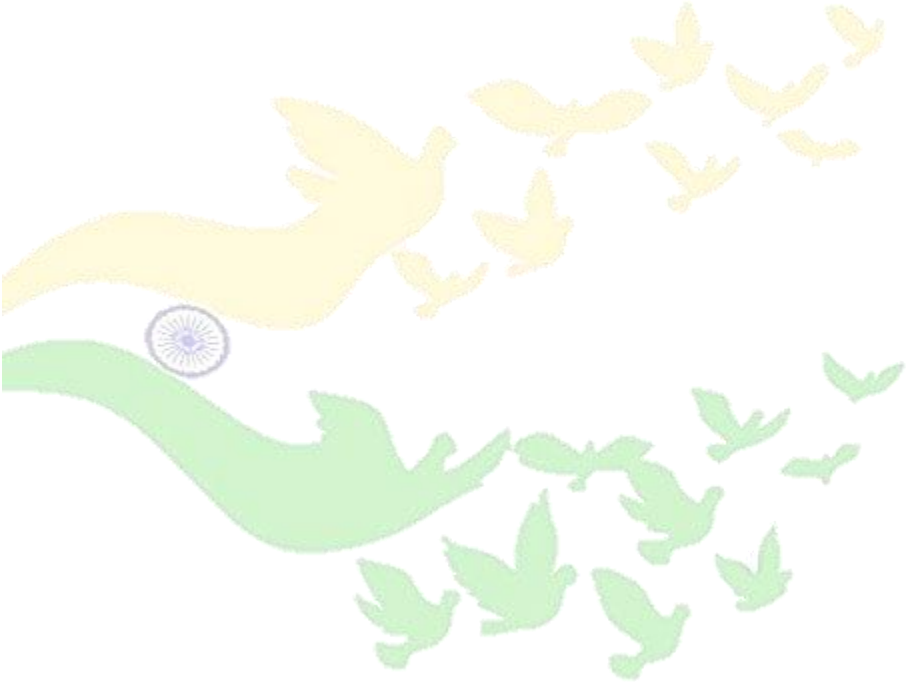
India

Republic Day



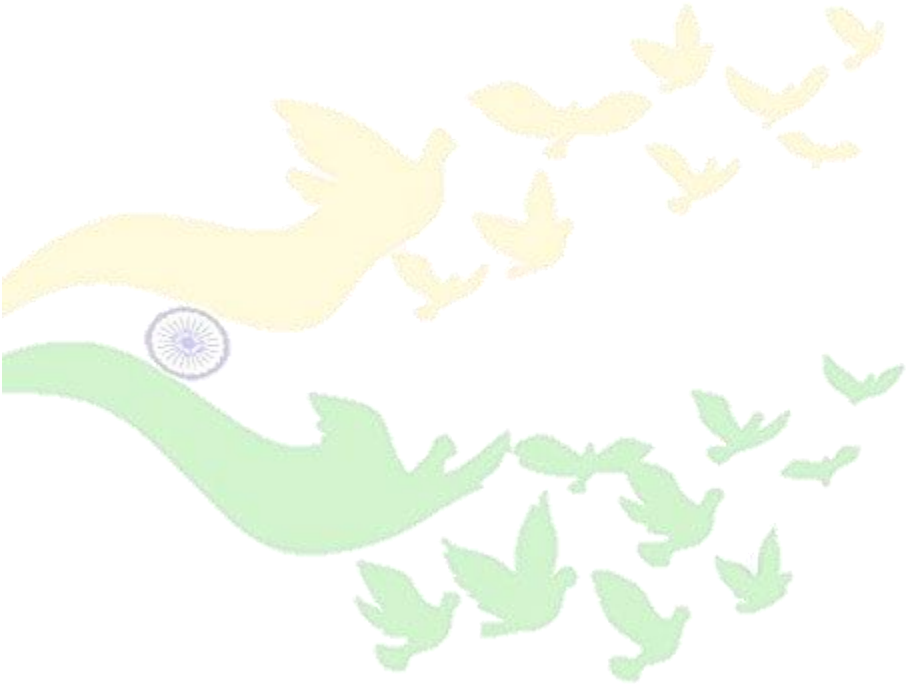
In 1920, in his mid-thirties, Saadulla, enrolled himself as an Advocate at the Calcutta High Court. He rented a house in Turner Street in the neighborhood of A.K. Fazlul Huq, Nawab Ataur Rahman, Barrister Khuda Bux and Nawabzada A.F.M. Abdul Ali. 1920 में, अपने तीसवें दशक के मध्य में, सादुल्ला ने खुद को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में नामांकित किया। उन्होंने एके फजलुल हक, नवाब अताउर रहमान, बैरिस्टर खुदा बक्स और नवाबजादा ए.एफ.एम. अब्दुल अली। के पड़ोस में टर्नर स्ट्रीट में एक घर किराए पर लिया।





In 1920, in his mid-thirties, Saadulla, enrolled himself as an Advocate at the Calcutta High Court. He rented a house in Turner Street in the neighborhood of A.K. Fazlul Huq, Nawab Ataur Rahman, Barrister Khuda Bux and Nawabzada A.F.M. Abdul Ali. 1920 में, अपने तीसवें दशक के मध्य में, सादुल्ला ने खुद को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में नामांकित किया। उन्होंने एके फजलुल हक, नवाब अताउर रहमान, बैरिस्टर खुदा बक्स और नवाबजादा ए.एफ.एम. अब्दुल अली। के पड़ोस में टर्नर स्ट्रीट में एक घर किराए पर लिया।





In 1924 Saadulla received a letter from Sir John Henry Kerr, Governor of Assam offering him a seat in his Executive Council as Minister. As the newly elected Legislative Council was due to meet at Shillong on 24 March, there was very little time to decide between Calcutta High Court Bar and Ministership in Assam. 1924 में सादुल्ला को असम के राज्यपाल सर जॉन हेनरी केर से एक पत्र मिला जिसमें उन्हें मंत्री के रूप में अपनी कार्यकारी परिषद में एक सीट की पेशकश की गई थी। चूंकि 24 मार्च को शिलांग में नवनिर्वाचित विधान परिषद की बैठक होने वाली थी, इसलिए कलकत्ता उच्च न्यायालय बार और असम में मंत्री पद के बीच निर्णय लेने के लिए बहुत कम समय था।



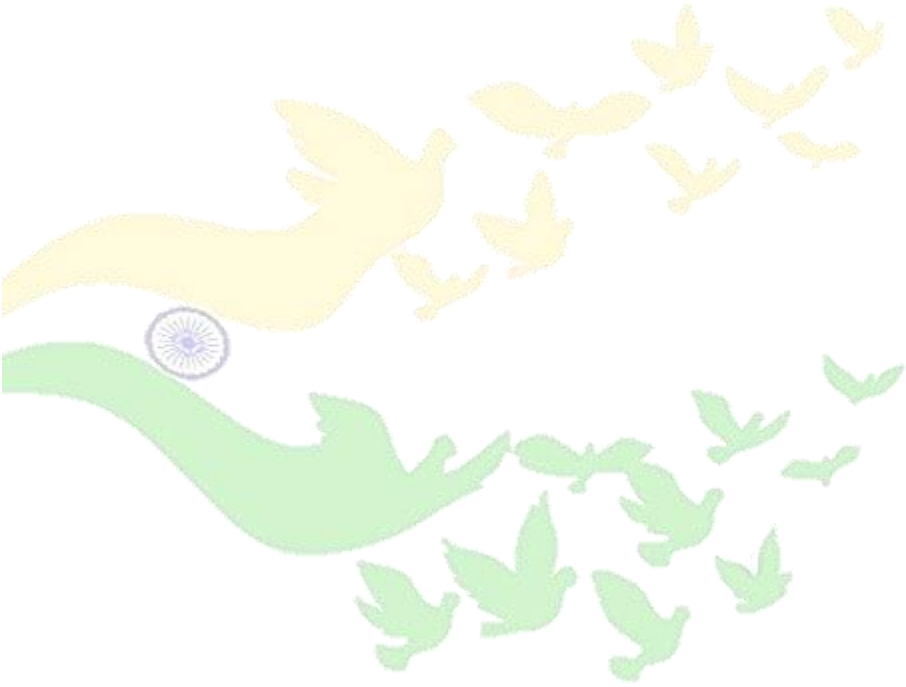




26 January

India

Republic Day



Saadulla was sworn in as Minister, and he rented a house known as "Rookwood" for his family. 1924 was a bad year for him; his beloved wife died at child-birth in the early hours of 9 December. He never really recovered from the cruel shock and profound grief. सादुल्ला ने मंत्री के रूप में शपथ ली, और उन्होंने अपने परिवार के लिए "रूकवुड" नामक एक घर किराए पर लिया। 1924 उसके लिए एक बुरा वर्ष था; 9 दिसंबर की तड़के प्रसव के समय उनकी प्यारी पत्नी की मृत्यु हो गई। वह वास्तव में कभी भी क्रूर सदमे और गहरे दुख से उबर नहीं पाया।

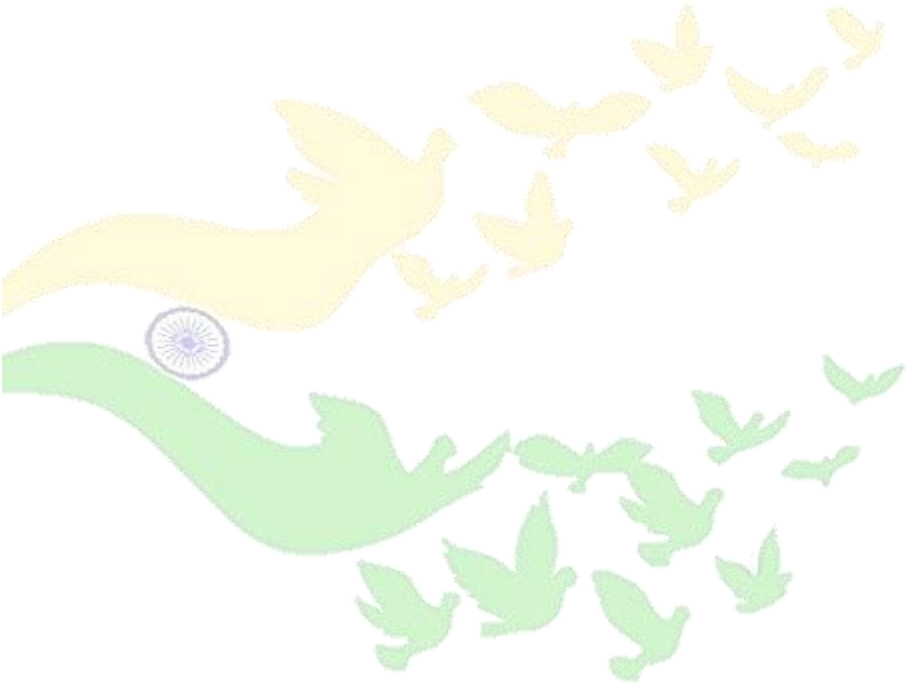




26 January

India

Republic Day



Elections to the third Reformed council were held in November, 1926, and Saadulla was returned from his constituency by large majority. He was re-appointed as a Minister. The honour of Knighthood was conferred on him in 1928. तीसरी सुधार परिषद के चुनाव नवंबर, 1926 में हुए और सादुल्ला को उनके निर्वाचन क्षेत्र से भारी बहुमत से वापस कर दिया गया। उन्हें दोबारा मंत्री बनाया गया। 1928 में उन्हें नाइटहुड का सम्मान प्रदान किया गया।

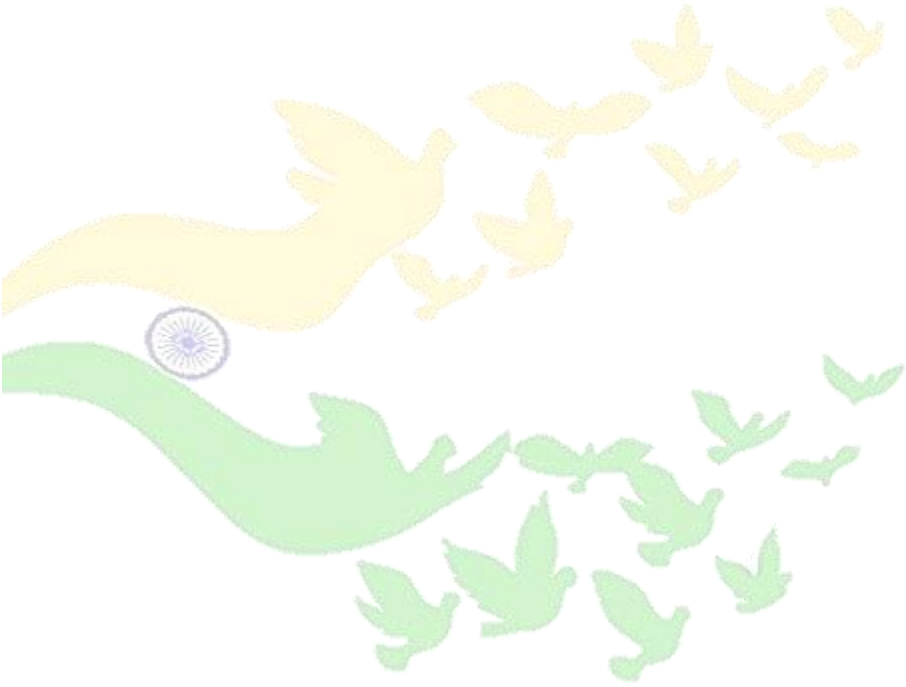




26 January

India

Republic Day



After eleven years at Shillong, and disenchanted with Assam politics, he felt that it was time for him to make a move. Opportunity was at hand, Sir John Anderson, Governor of Bengal, had personally offered him a High Court Judgeship. Sir Syed Muhammad Saadulla went to Calcutta in 1935. शिलांग में ग्यारह वर्षों के बाद, और असम की राजनीति से मोहभंग होने के बाद, उन्हें लगा कि यह उनके लिए एक कदम उठाने का समय है। अवसर हाथ में था, बंगाल के गवर्नर सर जॉन एंडरसन ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद की पेशकश की थी। 1935 में सर सैयद मुहम्मद सादुल्ला कलकत्ता गए।

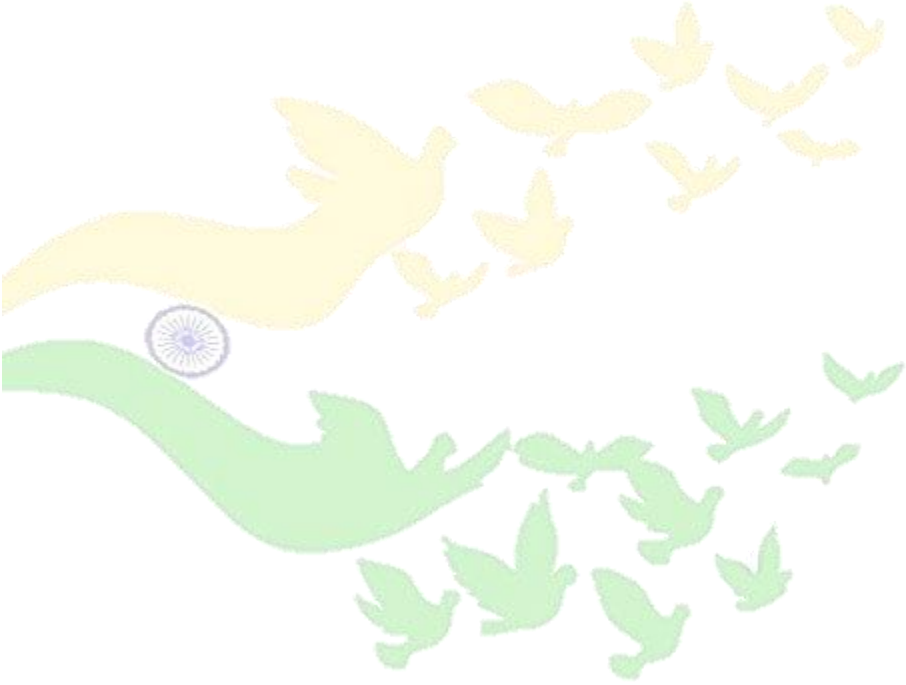


Much to his dismay, Sir Harold Darbyshire, the Chief Justice, pointed out that he could not be appointed as a Judge for want of requisite experience of ten years of continuous practice at the Bar. In an effort to assuage his profound disappointment, he was appointed as a Government Pleader with an assurance of elevation to the Bench within a reasonable period. मुख्य न्यायाधीश सर हेरोल्ड डारबीशायर ने अपनी निराशा के लिए बहुत कुछ बताया कि बार में लगातार दस साल के निरंतर अभ्यास के अपेक्षित अनुभव के अभाव में उन्हें न्यायाधीश के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है। उनकी गहरी निराशा को शांत करने के प्रयास में, उन्हें एक उचित अवधि के भीतर बेंच में पदोन्नति के आश्वासन के साथ एक सरकारी वकील के रूप में नियुक्त किया गया था।



A General Election, under the Government of India Act., 1935, was being held in February, 1937. Saadulla returned to Assam and was elected to the Legislative Assembly. The Governor invited him to form the Ministry. It was his inestimable good fortune that he was premier of Assam. With a depressed interruptions, for nine years, a deeply religious man, he supported political and social creed with uncompromising integrity. फरवरी, 1937 में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत एक आम चुनाव हो रहा था। सादुल्ला असम लौट आए और विधान सभा के लिए चुने गए। राज्यपाल ने उन्हें मंत्रालय बनाने के लिए आमंत्रित किया। यह उनका अमूल्य सौभाग्य था कि वे असम के प्रधान मंत्री थे। एक गहरे धार्मिक व्यक्ति के रूप में नौ वर्षों तक उदास रुकावटों के साथ, उन्होंने अडिग ईमानदारी के साथ राजनीतिक और सामाजिक पंथ का समर्थन किया।





He headed the Coalition Ministry from 1 April 1937 to 10h September 1938 and from 17 November 1939 to 25 December 1941 and again from 24 August 1942 to 11 February 1946.

There were turbulent years in Assam politics and blessed with sturdy constitution, he performed with exemplary courage the onerous task with devotion and enthusiasm and generosity..

उन्होंने 1 अप्रैल 1937 से 10 सितंबर 1938 तक और 17 नवंबर 1939 से 25 दिसंबर 1941 तक और फिर 24 अगस्त 1942 से 11 फरवरी 1946 तक गठबंधन मंत्रालय का नेतृत्व किया। असम की राजनीति में अशांत वर्ष थे और मजबूत संविधान के साथ, उन्होंने अनुकरणीय प्रदर्शन किया कठिन कार्य को निष्ठा और उत्साह और उदारता के साथ साहसपूर्वक करें।

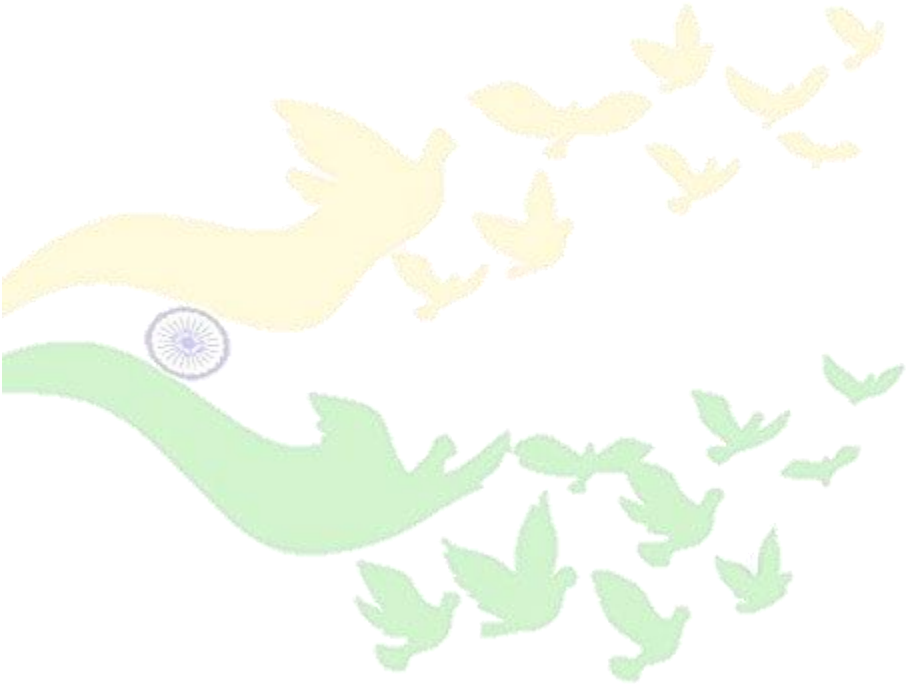




26 January

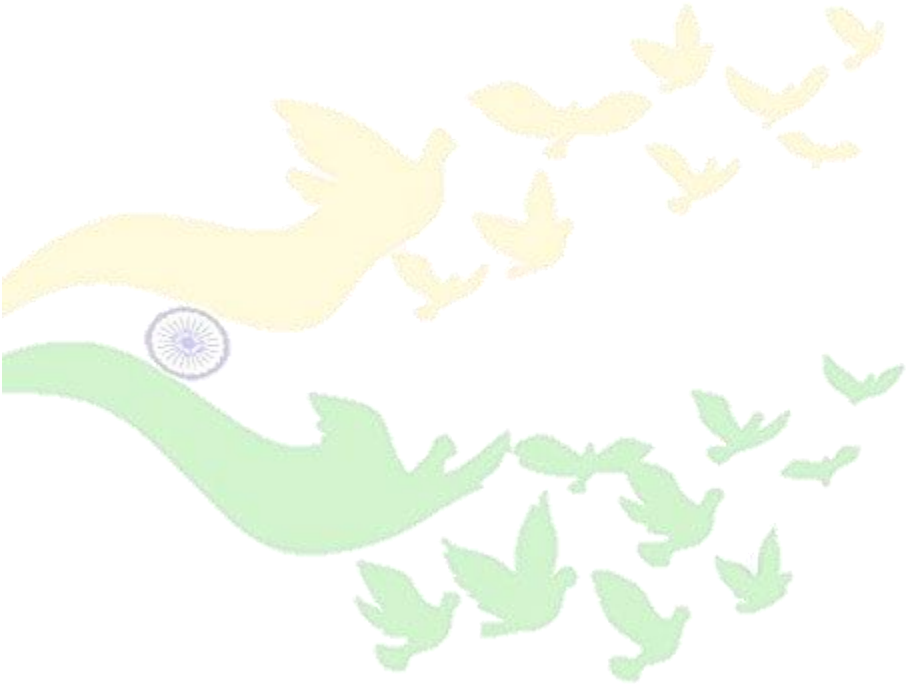
India

Republic Day



In every public duty, he held the interest of the people of Assam foremost in his heart. The honour of Knight Commander of the Order of the Indian Empire (KCIE) was conferred upon him on 1 January 1946. उन्होंने अपने हर सार्वजनिक कर्तव्य में असम के लोगों के हित को सबसे आगे रखा। 1 जनवरी 1946 को उन्हें नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (KCIE) का सम्मान प्रदान किया गया।





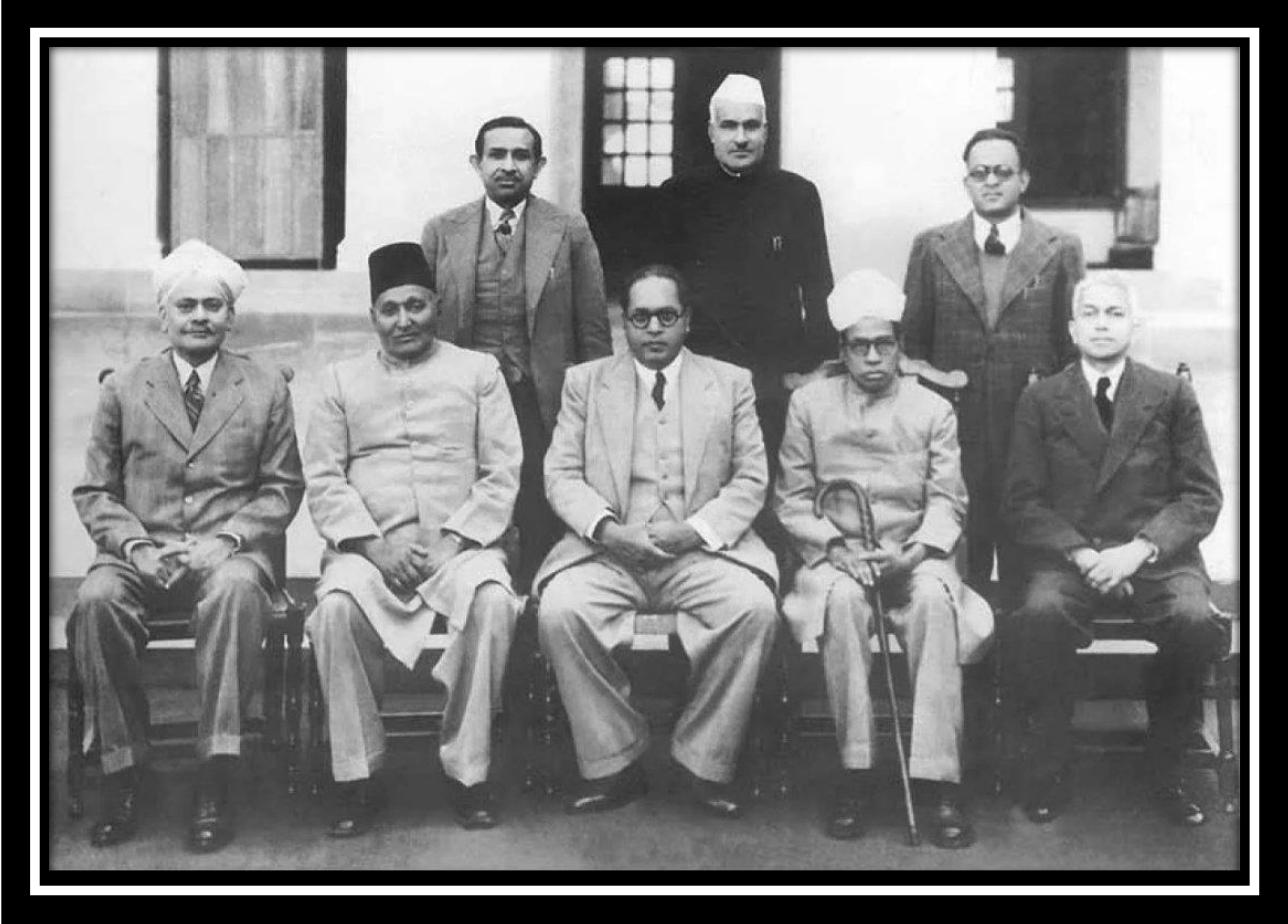
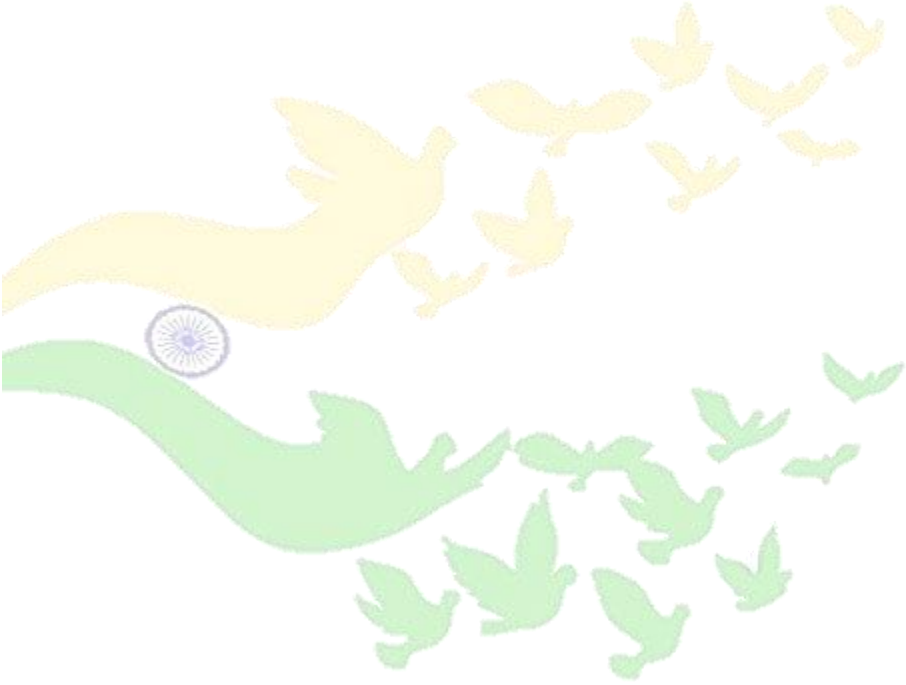
The Assam Legislative Assembly elected Saadulla to the Constituent Assembly of India in 1947 and the later elected him to the drafting committee. Thus he helped in the preparation of the Constitution of the Republic of India. He was the only member from the North East India to be elected to the Drafting Committee. असम विधान सभा ने 1947 में सादुल्ला को भारत की संविधान सभा के लिए चुना और बाद में उन्हें मसौदा समिति के लिए चुना। इस प्रकार उन्होंने भारत गणराज्य के संविधान को तैयार करने में मदद की। वह मसौदा समिति के लिए चुने जाने वाले उत्तर पूर्व भारत के एकमात्र सदस्य थे।

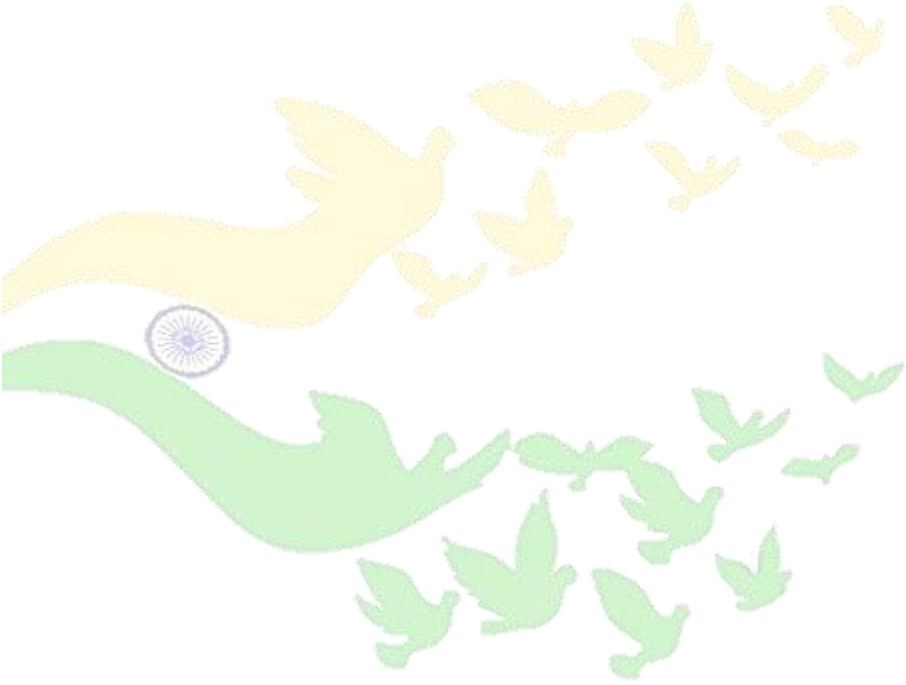




# Happy Republic Day

## Life and Politics





He was seriously ill in 1951. Death seemed likely, but it did not alarm him. What he dreaded with undisPELLable foreboding was physical and mental disability. He recovered gradually and was restored to health. Thereafter he mournfully accepted life in retirement, and amenities of civilized existence. 1951 में वे गंभीर रूप से बीमार थे। मृत्यु की संभावना लग रही थी, लेकिन इसने उन्हें चिंतित नहीं किया। जिस बात से उन्हें डर लगता था, वह शारीरिक और मानसिक अक्षमता थी। वह धीरे-धीरे ठीक हो गया और स्वस्थ हो गया। इसके बाद उन्होंने शोकपूर्वक सेवानिवृत्ति में जीवन और सभ्य अस्तित्व की सुविधाओं को स्वीकार किया।





His health deteriorated, at the approach of winter at Shillong, and to escape the rigours of cold weather, he went down to plains. He died at Guwahati, his birthplace, on 8 January 1955. शिलांग में सर्दी के आने पर उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया और ठंड के मौसम की कठोरता से बचने के लिए वे मैदानी इलाकों में चले गए। 8 जनवरी 1955 को उनके जन्मस्थान गुवाहाटी में उनका निधन हो गया।



**Double Validity on Mahapack**

**Use Code – Y274**

**and Get**

**78% Discount**

TEST SERIES

English



**INDIAN AIR FORCE  
AFCAT 1 2022  
PRIME**

**150+ TOTAL TESTS**

**Price – 1199 Rs**

**Use Code – Y274**

**Get Only @ 275 Rs**



**REPUBLIC DAY  
OFFER**

**एक देश, एक वादा,  
सिलेक्शन का इरादा**

**FLAT 77%  
OFF\***

**+Double Validity  
On All Mahapacks & Test Packs**

**USE CODE**

**Y274**

**Buy Now on**

**Adda247 App**

*Limited Period Offer*